भारत में अमेरिका के बाद सर्वाधिक डोमेस्टिक पर्यटन संभावनाएं : शेखावत

बीकानेर में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय द्वारा ''पश्चिमी राजस्थान में पर्यटन की पुनर्कल्पना'' विषयक संगोष्ठी आयोजित

बीकानेर, (निसं)। केंद्रीय पर्यटन एवं कला मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पर्यटन स्थलों पर पर सुविधाएं बढ़ाने के साथ इनमें कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में भी सुनियोजित तरीके से प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शेखावत रविवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा ''विकसित भारत विकसित राजस्थान-2047'' के संदर्भ में ''पश्चिमी राजस्थान में पर्यटन की पुनर्कल्पना'' विषयक संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में शिवबाड़ी महंत स्वामी विमर्शानन्द तथा बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

केन्द्रीय पर्यटन व कला मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत समेत अतिथियों ने संगोष्ठी का शुभारंभ किया।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि वैश्विक परिदृश्य पर दुनिया के देशों में जीडीपी की 10 प्रतिशत से ज्यादा भागीदारी पर्यटन क्षेत्र की है। भारत में यह भागीदारी 5.5 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में योजनाबद्ध और चरणबद्ध तरीके से प्रयास करते हुए इसे विश्व जीडीपी के औसत पर लाने की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके लिए पॉलिसी निर्धारण और क्रियान्वयन किया जा रहा है। शेखावत ने कहा कि देश की पर्यटन जीडीपी में राजस्थान का हिस्सा अन्य प्रदेशों की तुलना में अधिक है। यहां जैसी संभावनाएं और विविधताएं हैं, इनके मध्यनजर यहां अनेक अवसर मौजूद हैं। भारत में अमेरिका के बाद डॉमेस्टिक टूरिज्म की सर्वाधिक संभावनाएं हैं। गत वर्ष अयोध्या के राम मंदिर में 8 करोड़ तथा उज्जैन के महाकाल मंदिर में 7.5 करोड़ लोग पहुंचे। गत महाकुंभ में 45 दिनों में 66 करोड़ लोगों का पहुंचना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोविड के बाद हमारा देश पर्यटन की दृष्टि से टॉप रिवाइवल देश में है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में 50 नए आईकॉनिक पर्यटन स्थल तैयार किया जा रहे हैं। इन्हें विश्व स्तर के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में तैयार पर्यटन नीति तथा पर्यटकों के लिए किया जा रहे नवाचारों की सराहना की।

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने बीकानेर कहा कि बीकानेर अपनी संस्कृति और परंपराओं के लिए विश्व विख्यात है। यहां पर्यटन की दृष्टि से अनेक संभावनाएं है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से बीकानेर में इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टूरिज्म एंड ट्रैवलिंग मैनेजमेंट की शाखा खोलने का आग्रह किया। साथ ही खाद्य पदार्थों एवं दूध की टेस्टिंग लेब स्थापित करने की आवश्यकता जताई। इस दौरान पर्यटन विशेषज्ञ गोपाल सिंह चौहान ने 'इको टूरिज्म' विकसित करने, फोक म्यूजिक फेस्टिवल आयोजित करने तथा प्रदेश के सभी जिलों में पर्यटन की दृष्टि से कार्य करने का सुझाव दिया। होटल व्यवसाय विशेषज्ञ डॉ. नरेश गोयल ने एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने तथा हेरिटेज रूट को विकसित करने, इमरान उस्ता ने उस्ता कला से युवा पीढ़ी को जोड़ने के लिए सुनियोजित ढंग से प्रशिक्षण आयोजित करने की बात रखी।

उद्यमी विजय सिंह राठौड़ ने मेलों और उत्सवों के प्रचार प्रसार करने, आशि शर्मा ने पाठ्यक्रम में पर्यटन से जुड़े तथ्य शामिल करने और बच्चों को इनसे जोड़ने की बात कही। लोक कलाकार गोपाल बिस्सा शहर की हवेलियों के संरक्षण के लिए सख्त कदम उठाने एवं नाइट टूरिज्म को विकसित करने का सुझाव दिया। समारोह में पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर, अतिरिक्त कलेक्टर नगर रमेश देव, कुलसचिव कुणाल राहड़, वित्त नियंत्रक देवेंद्र सिंह राठौड़, अतिरिक्त कुलसचिव डॉ. बिठ्ठल बिस्सा, डॉ. चंद्रशेखर श्रीमाली, डॉ. अमित व्यास सहित विश्वविद्यालय के स्टाफ सदस्य, विद्यार्थी तथा अन्य क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

श्रीगंगानगर में अधिकांश सीएचसी पर खांसी की सिरप नहीं

श्रीगंगानगर, (निसं)। अधिकांश सीएचसी पर खांसी की सिरप नहीं होने से परेशानी हो रही है। जैतसर के सीएचसी प्रभारी डॉ. अनोख बिश्नोई ने बताया कि वर्तमान में क्लोरफेनिरामाइन, पैरासिटामोल और सीट्रीजन के समूह वाली एंटी कोल्ड सीरप का वितरण रोगियों को किया जा रहा है। यह सीरप सभी प्रकार की खांसी में कारगर साबित हो रही है। टैबलेट भी उपलब्ध है, लेकिन रोगी सिरप ही मांग रहे हैं। रायसिंहनगर सीएचसी में मरीजों को अन्य साल्ट वाली खांसी की कफ सिरप दे रहे हैं।

■ चिकित्सक कहीं टेबलेट दे रहे तो कहीं बाजार से खरीदने को मजबूर हैं लोग

प्रभारी डॉ. तेजपाल शर्मा ने बताया कि अन्य साल्ट की दवा खांसी के रोगियों को दी जा रही है। घड़साना सीएचसी के प्रभारी डां. संदीप पचार ने बताया कि खांसी रोगियों को अन्य साल्ट की दवा दी जा रही हैं। रिड़मलसर सीएचसी में खांसी की जो दवा स्टॉक में है, उस पर रोक है। डॉ. प्रेम कुमावत ने बताया कि अन्य कंपनी की दवा का स्टॉक अभी नहीं आया। बच्चों के लिए ड्रॉप्स आ रही है। बड़े मरीजों के लिए खांसी की टेबलट्स उपलब्ध है। निरवाना सीएचसी में 9 अक्टूबर को खांसी की दवा के रूप में एक हजार सिरप का स्टॉक आया था।

प्रभारी डॉ. दयाराम मीणा ने बताया 14 नवंबर से खांसी की दवा खत्म है। कायसिन कंपनी की दवा का स्टॉक है लेकिन उस पर रोक है। सितंबर में एक बार अपने स्तर पर सीएचसी प्रबंधन ने खांसी की दवा मंगवाई थी। श्रीविजयनगर सीएचसी पर एक माह से सिरप उपलब्ध नहीं है। डॉ. कमलकांत ने बताया कि विकल्प के रूप में मरीजों को गोलियां दी जा रही हैं।

मंडी 365 हेड के पीएचसी व रावला सीएचसी में एक पखवाड़े से खांसी की दवा समाप्त है। मंडी 365 हेड पीएचसी प्रभारी सिमरन बिश्नोई ने बताया कि खांसी के रोगी अपने स्तर पर बाहर से दवा ले रहे हैं। पीएचसी स्तर पर रोगियों के लिए बाहर से दवा खरीदने की शक्तियां स्टाफ के पास नहीं हैं। इधर रावला मंडी सीएचसी के डॉ. राकेश गहन ने बताया कि खांसी की दवाई के लिए सीएमएचओ कार्यालय पत्र भिजवाया है।

केसरीसिंहपुर कस्बे के सीएचसी पर खांसी की दवा दो दिन से खत्म है। उच्चाधिकारियों को मांग भिजवाई है। एनओसी मिलने के बाद खरीद भी की जाएगी। प्रभारी डॉ. धीरज मंगल ने बताया कि इससे पहले करीबन 2 लाख की दवाइयां खरीद कर वितरित की जा चुकी हैं। इसमें खांसी सिरप भी शामिल थी। श्रीकरणपुर के सरकारी अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 500 मरीज की ओपीडी है। इनमें से अधिकांश रोगी खांसी, जुकाम और बुखार के आ रहे हैं। हर महीने औसत दो हजार से अधिक कफ सिरप की खपत है।

चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज अरोड़ा ने बताया कि फिलहाल एनओसी लेकर 1200 कफ सिरप स्थानीय स्तर पर क्रय की जा रही हैं। इसके बावजूद अस्पताल से कई रोगियों को अस्पताल से खांसी की दवा नहीं हो पाती। कफ सिरप के उपयोग को लेकर लोगों को जागरुक होने की जरूरत है। इसके अधिक उपयोग से बचना चाहिए। खास तौर पर बच्चों के मामले में ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत है। पहले भी चार साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सप्रेसेंट देने से परहेज करते थे। छोटे बच्चों में कफ रिफ्लेक्स कम होता है। कफ सिरप में मौजूद डिप्रेसेंट से बच्चे को गहरी नींद आती है। इन स्थितियों में डेक्ट्रोमिथारफेन जैसे सिरप देना सही नहीं है। इसकी बजाय नेबुलाइजर का उपयोग कर खांसी का उपचार करना चाहिए। हॉस्पिटल में मरीज कफ सिरप लिखने की मांग करते हैं। अधिक उम्र में भी ज्यादा दवा लेना ठीक नहीं है।

निशुल्क दवा योजना में दी जाने वाली अकेली सिरप डेक्सामेथोरोफेन हाइड्रोक्लोराइड की सप्लाई पर प्रतिबंध के बाद अब प्रदेश के अस्पतालों में खांसी के रोगियों के लिए संकट खड़ा हो गया है। अक्टूबर से लेकर अब तक जिले में जिला अस्पताल से 18 हजार शीशी सबस्ट्यूड सिरप खरीद करके मरीजों को दी जा चुकी है। अब फिर दवा वितरण केंद्र ड्राई हो गए हैं। राज्य सरकार ने डेक्सामेथोरोफेन सिरप की सप्लाई का टेंडर किया था। उक्त दवा के सेवन से बच्चों की मौत के बाद सभी बैच पर प्रतिबंध है। अन्य किसी भी कंपनी के साथ कोई अनुबंध नहीं था। लिहाजा, पूरे प्रदेश में ही खांसी के इस सॉल्ट की कमी है। दूसरी ओर जिले भर में बुखार व खांसी के रोगियों की संख्या बढ़ रही है। ओपीडी में खांसी रोगियों की संख्या औसतन 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ी है।

'किसान को उत्तम खाद, बीज व दवा मिले, इसके लिए सख्त कानून लाया जाएगा'

भीलवाड़ा, (निसं)। कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा अल्प्रवास के दौरान भीलवाड़ा पहुंचे। इस दौरान सर्किट हाउस में भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। मंत्री मीणा ने भीलवाड़ा सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि किसान और हम कभी भी नहीं सोच सकते कि खाद नकली हो सकता है। बीज भी घटिया हो सकता है, ऐसा पेस्टिसाइड भी बन सकता है जो किसानों की फसलों पर असर न करे। इन तीनों चीजों पर सख्त कारवाई की गई है। इस दौरान प्रदेशभर में नकली खाद व नकली बीज भी पकड़ा था। राजस्थान में व्यापक स्तर पर गलत खाद व बीज के विरुद्ध अभियान चलाया है।

■ कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा भीलवाड़ा पहुंचे, मीडिया से बात की

कृषि मंत्री ने कहा कि किसान को उत्तम खाद, बीज व दवा मिले, इसके लिए सख्त कानून लाया जाएगा, जिससे किसान को नकली खाद-बीज न मिले। मंत्री मीणा ने एसआईआर को लेकर कहा कि बिना बात राजनीतिक तूल दिया जा रहा है। विपक्ष मुद्दा बनाकर देश की जनता को गुमराह करना चाहता है। सभी ने बिहार का परिणाम देखा है। देश की जनता जो चाहती है उस मुताबिक चुनाव आयोग काम कर रहा है। एसआईआर को लेकर भ्रम फैलाने वाले चाहते हैं कि कुछ घुसपैठिए वोट डालें। कृषि मंत्री रविवार को एक दिवसीय भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहे। भीलवाड़ा सर्किट हाउस में पहुंचने पर कृषि मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा का भाजपा पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत किया। स्वागत के बाद किरोड़ी लाल मीणा ने मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बरूदनी कस्बे में शहीद जगन्नाथ मीणा की मूर्ति का अनावरण भी किया। इस दौरान सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल, जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा सहित जिले के जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

गांव हीरवाना को गढला कलां में जोड़ने पर ग्रामीणों ने विरोध जताया

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में कई नव ग्राम पंचायतों का गठन किया गया है। ऐसे में ग्राम पंचायत मैनपुरा के राजस्व गांव हीरवाना को हटाकर नवगठित ग्राम पंचायत गढला कलां में जोड़ा गया है, जिससे हीरवाना के ग्रामीणों में भारी आक्रोश बना हुआ है। रविवार को हीरवाना गांव के ग्रामीणों की श्री कृष्ण गौशाला चंवरा हीरवाना में बैठक हुई। बैठक में ग्रामीणों ने सरकार के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन किया।

■ ग्रामीणों ने चुनावों का बहिष्कार करने की चेतावनी दी

ग्रामीणों ने विरोध जताकर नारेबाजी की।

मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने कहा कि हीरवाना गांव से मैनपुरा की दूरी मात्र 500 मीटर है, जबकि गढला कलां हीरवाना से 10 से 15 किलोमीटर दूर है। ऐसे में हीरवाना को नवगठित गढला कलां पंचायत में जोड़ने से हीरवाना के ग्रामीणों को पंचायत हैडक्वाटर आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा, जो हीरवाना की समस्त जनता के हितों के ऊपर कुठाराघात है। ग्रामीणों ने कहा कि शीघ्र ही एक प्रतिनिधिमंडल जिले के आला अधिकारियों से मिलकर हीरवाना को ग्राम पंचायत मैनपुरा या चंवरा में शामिल करने के लिए ज्ञापन सौंपेंगा। उन्होंने बताया कि हीरवाना की राजस्व सीमा ग्राम पंचायत मैनपुरा से सटकर लगती है और मैनपुरा पंचायत हैडक्वार्टर की दूरी मात्र 500 मीटर ही है। यदि हीरवाना को ग्राम पंचायत चंवरा में भी जोड़ा जाता है तो हीरवाना से चंवरा की दूरी मात्र तीन किलोमीटर है। चंवरा की समस्त सीमा भी हीरवाना गांव से सटकर लगती है। गढला कलां जाने के लिए एक पंचायत की सीमा लांघकर हीरवाना को पंचायत हैडक्वार्टर जाना पड़ेगा।

ग्रामीणों ने कहा कि राजनैतिक द्वेषता के कारण हीरवाना को गढला कलां ग्राम पंचायत में जोड़ा गया है, जो कतई स्वीकार नहीं है। शीघ्र ही हीरवाना को मैनपुरा या चंवरा में नहीं जोड़ा जाता है तो मजबूरन ग्रामीणों को धरना प्रदर्शन करना पड़ेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी राजस्थान सरकार और प्रशासन की होगी। वहीं ग्रामीणों ने चुनावों का बहिष्कार करने की चेतावनी दी। इस दौरान कैप्टन रामावतार लमोड़, उदमी बारवाल, दातार सिंह शेखावत, महावीर खेदड़, सूबेदार किशोर सिंह, महावीर अधाणा, खेमचंद कड़ाला, सुशील महण, सज्जन सिंह, दीपक मूंड, चौथूराम बारवाल, पालाराम बारवाल, कन्हैयालाल, जगदीशसिंह शेखावत, श्रवण सैनी, रामकरण स्वामी, विक्रम सिंह शेखावत, विकास सिंह शेखावत, भवानी सिंह शेखावत, मुकेश सिंह शेखावत सहित कई लोग मौजूद रहे।

वोल्टेज की समस्या को लेकर किसानों का प्रदर्शन

सिंघाना, (निसं)। रविवार को घरड़ाना खुर्द के पावर हाउस पर कृषि कुओं पर गंभीर वोल्टेज समस्या को लेकर किसानों ने अखिल भारतीय किसान महासभा के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। विरोध स्वरूप दो घंटे विद्युत सप्लाई काट दी।

मुख्य अभियंता व अन्य उच्च अधिकारियों को फोन से समस्या से अवगत करवाने पर 26 नवंबर तक समस्या का हल होने के आश्वासन पर विरोध प्रदर्शन समाप्त किया। वहीं 26 नवंबर तक समस्या का हल ना होने पर 27 नवंबर को पावर हाउस का घेराव किया जाएगा।

किसानों में इस बात को लेकर जबरदस्त आक्रोश था कि कम वोल्टेज के कारण किसानों की मोटरें या तो जल जाती हैं या फिर अधिकांश समय बंद पड़ी रहती हैं। विरोध प्रदर्शन को अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय सचिव कामरेड रामचंद्र कुलहरि, हरपालसिंह राव, राजकपूर, बीरबल हवलदार, समाजसेवी संदीप राव, मंदरूप, अशोक राव, हेमंत, विनोद, सत्यवीर, लीलाधर आदि ने संबोधित किया।

■ किसानों ने कहा कि समस्या हल नहीं होने पर 27 नवंबर को पावर हाउस का घेराव किया जायेगा

बदमाशों ने स्कूटी सवार महिला को लूटा

उदयपुर, (निसं)। अम्बामाता थाना क्षेत्र में स्कूटी सवार बदमाश स्कूटी सवार महिला का पर्स छीन ले गए। मामले को लेकर महिला ने पुलिस में प्रकरण दर्ज कराया है। जिसकी जांच पुलिस कर रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यू रामपुरा अम्बामाता निवासी प्रभा चतुर्वेदी पत्नी जगदीश चन्द्र शनिवार सांय स्कूटी पर शहर से घर लौट रही थी। जहां बीच रास्ते में ओटीसी स्कीम क्वार्टर रोड़ पर आए स्कूटी सवार तीन बदमाश झपट्टा मार पर्स छीन ले गए। पर्स में दो मोबाईल, नकदी व दस्तावेज थे। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है, जिसकी जांच एएसआई नरेन्द्रसिंह कर रहे हैं।

युवक की अकाल मौत :- उदयपुर शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में युवक की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार रात में पुला गांव निवासी राकेश (22) पुत्र बंशीलाल की अकाल मौत हो गई। राकेश रात में शादी समारोह से घर लौटा था एवं रात में नींद निकाल रहा था। हलचल नहीं होने पर परिजन उसे उपचार के लिए चिकित्सालय ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया, हेडकांस्टेबल राजपाल ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

ट्रेन रद्द रहेगी

जोधपुर, (कासं)। तकनीकी रखरखाव कार्य के चलते जोधपुर-साबरमती-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस सोमवार को एक ट्रिप के लिए रद्द रहेगी। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विकास खेड़ा ने बताया कि ट्रेन संख्या 12461/ 12462, जोधपुर- साबरमती-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस का 24 नवंबर एक ट्रिप के लिए संचालन रद्द किया गया है।

पेड़ काटने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, चार घायल

बयाना/भरतपुर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के गांव नगला बेड़ा महरावर में रविवार को पेड़ काटने को लेकर दो पक्ष आमने-सामने हो गए। मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते विवाद का रूप ले लिया और दोनों ओर से मारपीट हो गई, जिसमें दोनों पक्षों के दो-दो लोग घायल हो गए। घायलों को बयाना उप जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने दोनों पक्षों की एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और घायलों से घटना के संबंध में जानकारी ली। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर सदर थाने में क्रॉस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, विवाद घर के बाखर में एक पेड़ को काटने को लेकर शुरू हुआ था, जो बाद में झगड़े में बदल गया। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

चिड़ावा की पूर्व प्रधान ने मोर्चा खोला

पूर्व प्रधान इंदिरा डूडी ने पूर्व प्रधान रोहिताश्व धांगड़, चिड़ावा बीडीओ अनिशा बिजारणियां और अपनी ही पार्टी कांग्रेस के उपप्रधान विपिन नूनियां पर आरोप लगाए

झुंझुनूं, (निसं)। दो दिन पहले झुंझुनूं जिले की चिड़ावा पंचायत समिति प्रधान इंदिरा डूडी के इस्तीफे की खबर सामने आई थी। अब इस्तीफा देने के बाद चिड़ावा पंचायत समिति की पूर्व प्रधान इंदिरा डूडी ने ना केवल पूर्व प्रधान रोहिताश्व धांगड़, बल्कि चिड़ावा बीडीओ अनिशा बिजारणियां और अपनी ही पार्टी कांग्रेस के उपप्रधान विपिन नूनियां पर जमकर आरोप लगाए हैं और कहा है कि जो भ्रष्टाचार का खेल पिछले एक साल में चिड़ावा पंचायत समिति में हुआ है, वे उसकी ना केवल जांच करवाएगी, बल्कि दोषियों को जेल पहुंचाने तक की लड़ाई लड़ने वाली है।

जानकारी के अनुसार भ्रष्टाचार जैसे आरोपों से क्लिन चिट मिलने के बाद झुंझुनूं जिले की चिड़ावा पंचायत समिति की प्रधान इंदिरा डूडी ने फिर से कार्यभार संभाल लिया था, लेकिन उन्होंने अब अपना इस्तीफा देते हुए पूर्व प्रधान रोहिताश्व धांगड़, बीडीओ अनिशा बिजारणियां तथा उप प्रधान विपिन नूनियां के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने झुंझुनूं में हुई प्रेस वार्ता में आरोप लगाया है कि पूर्व प्रधान रोहिताश्व धांगड़ ने अपने करीबी धर्मपाल और बीडीओ अनिशा बिजारणियां के साथ पार्टनरशिप में एक कंस्ट्रक्शन कंपनी बनाई है। इसी फर्म को चिड़ावा पंचायत समिति के 90 प्रतिशत से ज्यादा कार्य दिए गए हैं। वहीं सरपंचों और ग्राम विकास अधिकारियों को भी पाबंद किया गया है कि पंचायतों में जो भी काम होंगे, वो सभी इसी कंस्ट्रक्शन कंपनी से होंगे। साथ ही उन्होंने चिड़ावा पंचायत समिति में 45 प्रतिशत तक कमिशन, जीएसटी के नाम से वसूलने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि वे एक-एक कार्य की जांच करवाएगी, जिसके बाद ना केवल जनता का पैसा वापिस पंचायत समिति आएगा। बल्कि दोषी जेल जाएंगे।

चिड़ावा पं. समिति की पूर्व प्रधान इंदिरा डूडी ने प्रेसवार्ता की।

इधर, पूर्व प्रधान इंदिरा डूडी ने अपनी ही कांग्रेस पार्टी के उप प्रधान और यूथ कांग्रेस के पिलानी विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष विपिन नूनियां पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जब उन्हें झूठे आरोपों के बाद पद से हटाया गया था। तो कायदे से उप प्रधान को चार्ज दिया जाना था, लेकिन पता नहीं किस लालच या फिर किन परिस्थितियों के कारण विपिन नूनियां ने खुद प्रधानी नहीं ली और बाकायदा सरकार को पत्र लिखकर कहा कि वे अपने कार्यों में व्यस्त होने के कारण प्रधान का चार्ज लेने में असमर्थ है। यही नहीं उन्होंने इसी पत्र में पंचायत समिति सदस्य रोहिताश्व धांगड़ को चार्ज देने की सिफारिश तक दी। यह पहली बार हुआ कि सरकार जिसे प्रधानी सौंप रही थी, वो लेने से मना कर रहा था और सिफारिश में भी एक ऐसे व्यक्ति की कर रहा था जो प्रतिद्वंद्वी भाजपा पार्टी के पाले में था। यह जांच का विषय है। इसकी जानकारी वे कांग्रेस आलाकमान तक पहुंचाएगी।

■ 'जो भ्रष्टाचार का खेल पिछले एक साल में चिड़ावा पंचायत समिति में हुआ है, वे उसकी ना केवल जांच करवाएगी, बल्कि दोषियों को जेल पहुंचाने तक की लड़ाई लड़ने वाली है'

■ इंदिरा डूडी ने चिड़ावा पंचायत समिति में 45 प्रतिशत तक कमिशन, जीएसटी के नाम से वसूलने का आरोप लगाया

प्रेस वार्ता में चिड़ावा की पूर्व प्रधान इंदिरा डूडी ने नाम लिए बगैर झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू पर भी कई आरोप लगाए और कहा कि भांबू ने सरकार पर दबाव बनाया, ताकि इंदिरा डूडी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो। बहरहाल, डूडी ने प्रेस वार्ता में यह भी साफ किया कि उन्होंने क्लीन चिट मिलने के बाद दुबारा अपना कार्यभार संभाल लिया था, लेकिन पांच दिनों में जिस तरह का माहौल और भ्रष्टाचार का गदर पंचायत समिति में देखा। उसी दिन इस भ्रष्टाचार को बेनकाब करने का संकल्प लिया और अपना इस्तीफा दे दिया। पूर्व प्रधान इंदिरा डूडी की मानें तो अब उनका यही मिशन है कि जनता की सेवा करते हुए कथित भ्रष्टाचारियों को बेनकाब कर उनका सजा दिलवाना। वहीं विधायक राजेंद्र भांबू और पूर्व प्रधान रोहिताश्व धांगड़ ने सारे आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

राजगढ़ भैरव धाम पर हजारों श्रद्धालुओं ने नशा त्यागने का संकल्प लिया

अजमेर/राजगढ़, (निसं)। राजगढ़ मसानिया भैरव धाम पर 23 नवम्बर को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित पल्स पोलियो दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य उपासक चंपालाल महाराज के सानिध्य में बाघसुरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सुपरवाइजर सुषमा कुमारी और फार्मासिस्ट शिल्पा बिस्वास की उपस्थिति में 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलाई गई। वहीं राजगढ़ भैरव धाम पर हजारों श्रद्धालुओं ने नशा त्यागने का संकल्प लिया।

■ राजगढ़ मसानिया भैरव धाम पर पल्स पोलियो दिवस मनाया गया

मुख्य उपासक चंपालाल महाराज के सानिध्य में पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियोरोधी खुराक पिलाई गई।

धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि पोलियो बूथ की व्यवस्था एवं बच्चों को खुराक पिलाने में समाजसेवक सत्यजीत बिस्वास और पूनम वर्मा ने विशेष सहयोग दिया। चंपालाल महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि पोलियो की दो बूंद बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए अमृत समान है। उन्होंने बताया कि देश पोलियो मुक्त घोषित हो चुका है, लेकिन जरा सी लापरवाही वायरस की वापसी का खतरा बढ़ा सकती है, इसलिए प्रत्येक अवसर पर बच्चों को पोलियो खुराक अवश्य दिलानी चाहिए। रविवारीय मेले में पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने चंपालाल महाराज की प्रेरणा से श्री मसानिया भैरव धाम पर चल रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, डोडा-पोस्त, अफीम, चरस, गांजा और अपराध जैसी बुरी आदतों को त्यागने का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम में बूथ संचालन एवं व्यवस्था में सुपरवाइजर सुषमा कुमारी, फार्मासिस्ट शिल्पा बिस्वास, समाजसेविका पूनम वर्मा, सत्यजीत बिस्वास सहित भैरव भक्त मंडल के ओमप्रकाश सेन, रमेश सेन, राहुल सेन, अविनाश सेन, पदमचंद जैन, सुनील रांका, दिलीप राठी, महावीर रांका, सत्यनारायण सेन, ममता सोनी आदि का विशेष योगदान रहा।